भारतीय ज्ञानपीठ

18, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नयी दिल्ली-110003
फोन : 2462-6467, 2469-8417
ई-मेल : marketing@jnanpith.net
वैबसाइट : www.jnanpith.net

10 मई, 2019

विषय : **55वें ज्ञानपीठ पुरस्कार हेतु प्रस्ताव, पुरस्कार वर्ष 2019**

प्रिय महोदय /महोदया,

भारतीय ज्ञानपीठ वर्ष 2019 के लिए **55वें ज्ञानपीठ पुरस्कार** हेतु प्रस्ताव आमन्त्रित करता है। हम आगामी पुरस्कार के लिए इस चयन प्रक्रिया में आपके बहुमूल्य सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

ज्ञानपीठ पुरस्कार भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं तथा अँग्रेजी में श्रेष्ठ सृजनात्मक योगदान के लिए प्रति वर्ष दिया जानेवाला भारत का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान है।

यदि आप भारतीय साहित्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए किसी साहित्यकार का नाम इस वर्ष के पुरस्कार हेतु अँग्रेजी अथवा हिन्दी में उनके विस्तृत परिचय के साथ प्रस्तावित करेंगे तो हम आपके कृतज्ञ होंगे। संलग्न प्रस्ताव-पत्रक को भरकर तथा प्रस्तावित साहित्यकार के विस्तृत परिचय के साथ दिनांक **30 जून, 2019** तक वापस भेजने की कृपा करें।

ज्ञानपीठ खुद रचनाकार द्वारा अपना नाम ही प्रस्तावित करने पर विचार नहीं करेगा, न ही दिवंगत साहित्यकार का नाम विचारणीय होगा। **हिन्दी** और **अँग्रेजी** इस वर्ष पुरस्कार प्रक्रिया में शामिल नहीं हैं। ज्ञानपीठ की नियमावली के आलोक में गत दो वर्ष में पुरस्कृत भाषाएँ प्रक्रिया के अन्तर्गत नहीं आतीं।

आपके प्रस्ताव की प्रतीक्षा में,

मधुसूदन आनन्द
निदेशक

ज्ञानपीठ पुरस्कार

और

उसकी चयन-प्रक्रिया

1. ***ज्ञानपीठ पुरस्कार*** भारत के सर्वाधिक प्रतिष्ठित पुरस्कार के रूप में प्रख्यात हो चुका है। इस पुरस्कार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह समस्त भारतीय साहित्य में सर्वोत्तम योगदान के आधार पर भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित किसी भी भारतीय भाषा तथा अँग्रेजी के साहित्यकार को दिया जाता है।
2. इस पुरस्कार के लिए केवल ऐसे श्रेष्ठ सृजनात्मक लेखकों के नाम सुझाये जा सकते हैं जो जीवित हैं और भारतीय नागरिक हैं।
3. यह पुरस्कार किसी कृतिकार के सम्पूर्ण साहित्यिक कृतित्व के आधार पर दिया जाता है।
4. जो भाषा पुरस्कृत होती है वह अगले दो वर्षों तक विचार की परिधि में नहीं आती। वर्ष 2019 के पुरस्कार के लिए जिन भाषाओं पर विचार नहीं होगा वे हैं **हिन्दी और अँग्रेजी।**
5. एक बार पुरस्कृत लेखक को यह पुरस्कार दुबारा नहीं दिया जाता। (सूची नीचे दी गई है)
6. यदि *ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रवर परिषद* की राय में किसी वर्ष कोई भी लेखक पुरस्करणीय स्तर तक नहीं आता तो उस वर्ष पुरस्कार नहीं भी दिया जा सकता है।
7. निर्णय लेने की प्रक्रिया सामान्यतः इस प्रकार है : प्रत्येक भाषा के लिए एक भाषा परामर्श समिति होती है जिसके सदस्य उस भाषा के तीन लब्धप्रतिष्ठ विद्वान और समालोचक होते हैं। भाषा परामर्श समिति प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करती है। वह चाहे तो, पुरस्कार के नियमों के अनुसार, किसी अन्य पुरस्करणीय लेखक पर भी विचार कर सकती है। वास्तव में, परामर्श समिति से यह अपेक्षा की जाती है कि उस भाषा का कोई भी पुरस्कार-योग्य लेखक विचार-परिधि से छूट न जाए।

   पुरस्कार सम्बन्धी अन्तिम निर्णय लेने का दायित्व *ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रवर परिषद* का होता है जिसके सदस्य देश के प्रतिष्ठित विद्वान और लेखक होते हैं। विभिन्न भाषाओं की परामर्श समितियों से प्राप्त संस्तुतियों का निरीक्षण एवं मूल्यांकन यह *प्रवर परिषद* करती है। आवश्यकतानुसार पुरस्कार के लिए विचाराधीन कृतियों का हिन्दी या अँग्रेजी में आंशिक या सम्पूर्ण अनुवाद किया जाता है। *प्रवर परिषद* का प्रयास होता है कि वह समकालीन भारतीय साहित्य के परिप्रेक्ष्य में लेखक की सम्पूर्ण सृजनात्मकता, साहित्यिक गुणवत्ता एवं व्यापक प्रभविष्णुता पर विशेष ध्यान दे। प्रवर परिषद सर्वश्रेष्ठ निर्णय के लिए भाषाओं की परामर्श समितियों की अनुशंसा को मानने के लिए बाध्य नहीं है।
8. *प्रवर परिषद* का निर्णय अन्तिम होता है।

विद्यमान ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता : सीताकान्त महापात्र (उड़िया), एम.टी. वासुदेवन नायर (मलयालम), गिरीश कार्नाड (कन्नड़), रहमान राही (कश्मीरी), सत्यव्रत शास्त्री (संस्कृत), चन्द्रशेखर कंबर (कन्नड़), प्रतिभा राय (ओड़िया), भालचन्द्र नेमाड़े (मराठी), रघुवीर चौधरी (गुजराती), शंख घोष (बांग्ला), अमिताभ घोष (अँग्रेजी)।

भारतीय ज्ञानपीठ

55वाँ ज्ञानपीठ पुरस्कार : 2019

भाषा :..

प्रस्ताव-प्रपत्र

1. प्रस्तावक का नाम :..

   पता ....

   ....मोबाइल .... ई-मेल :......................................

2. प्रस्तावित साहित्यकार का नाम :..

   पता ....

   ....मोबाइल .... ई-मेल :......................................

3. साहित्यकार और उसके लेखन के विषय में जानकारी :

   क) जन्म-तिथि :..

   ख) शैक्षणिक उपलब्धियाँ :..

   ....

   ....

   ....

   ....

   ....

   ग) साहित्यिक पृष्ठभूमि :..

   ....

   ....

   घ) प्रकाशित रचनाएँ (कृपया सम्पूर्ण सूची संलग्न करें) :..

   ....

   ....

   ....

   ....

   ....

   ....

   ....

4. साहित्यकार को प्राप्त अन्य पुरस्कार तथा सम्मान :...

....

....

5. साहित्यकार के लेखन की गुणवत्ता और सम्बन्धित भाषा में, तथा भारतीय साहित्य में, उसका स्थान जो आपके प्रस्ताव का आधार है :

....

....

....

6. प्रस्तावित साहित्यकार की प्रमुख कृतियों के हिन्दी और अँग्रेजी में उपलब्ध अनुवादों की जानकारी :
(कृपया प्रकाशकों के नाम और पते तथा प्रकाशन वर्ष का उल्लेख करें)

....

....

....

7. अन्य कोई टिप्पणी :

....

....

....

....

दिनांक .... प्रस्तावक के हस्ताक्षर

टिप्पणी :

किसी विशेष सूचना के लिए यदि ऊपर दिया गया स्थान पर्याप्त न हो, तो कृपया अलग कागज पर सन्दर्भ क्रमांक देते हुए सम्बद्ध विवरण दें।

प्रस्ताव-पत्र भरकर निम्नलिखित पते पर 30 जून, 2019 तक भेजने की कृपा करें :

निदेशक
भारतीय ज्ञानपीठ : 18, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नयी दिल्ली - 110 003

Bharatiya Jnanpith

18, Institutional Area, Lodi Road, New Delhi - 110 003
Tel : 2462-6467, 2469-8417
e-mail : marketing@jnanpith.net, Website : www.jnanpith.net

10th May, 2019

Sub: Proposal for the 55th Jnanpith Award for year 2019

Dear Sir/Madam,

Bharatiya Jnanpith invites proposal for the ***55th Jnanpith Award*** for the year 2019. We seek your kind cooperation in the process of selecting our next awardee.

Jnanpith Award is the most prestigious literary award of India, which is given every year, to an author for his/her outstanding contribution towards Indian literature through creative writing in any of the Indian languages mentioned in the VIIIth Schedule of Indian Constitution and English.

We shall be grateful if you kindly suggest a suitable name along with a detailed report of his/her contribution towards Indian literature in either English or in Hindi for this award. A Proposal Form is enclosed, which is to be kindly filled and returned along with detailed report by **30th June, 2019.**

Jnanpith Award has gained a unique prestige and authenticity primarily because of the fair and objective manner of selection at all levels. We, therefore, are confident that your proposal will contribute to the fulfillment of this objective. We are sure that you would recommend an author who is really outstanding and duly deserves this Award.

Please note that Jnanpith does not entertain self nominations; there is no provision for a posthumous award and **Hindi** and **English** will be out of purview of this year's award since they happened to be the awarded languages in the last two years as per rules.

An early response will be highly appreciated.

Sincerely,

Madhusudan Anand
Director

JNANPITH AWARD

&

THE PROCESS OF SELECTION

1. ***Jnanpith Award*** is regarded as the most prestigious literary award of India. A special feature of this Award is that it is not confined to a particular language; it encompasses all Indian languages included in the eighth schedule of Indian Constitution and English.
2. Only those creative writers, who are alive and are Indian citizens, can be proposed for the Award.
3. The Award is to be given to an author for outstanding contribution towards literarure.
4. A language which receives the Award in a particular year is not eligible for consideration for the next two years. This year **Hindi** and **English** languages will not be taken into consideration for Award.
5. A writer who receives the Award once will not be considered again. (List given below)
6. The Award may not be given in a particular year if the *Jnanpith Award Selection Board* feels that there is no suitable name which comes up to the expected standard of the Award.
7. The process of selection is broadly as follows : There is an Advisory Committee for each language, consisting of three eminent scholars and/or critics, which scans the proposals received in response to this letter. The Committee is free to consider any other writer(s) eligible in accordance with the Rules of the Award. In fact, a Language Advisory Committee is expected to ensure that no deserving writer of the language concerned is left out of consideration.

   Recommendations of various Language Advisory Committees are screened and evaluated by the *Jnanpith Award Selection Board*, consisting of eminent scholars and writers. Wherever necessary, selected writings of the proposed writers are translated into Hindi or English, wholly or in part. The *Selection Board* takes into account the totality of an author's creative writing and its literary merit in the context of contemporary Indian writing and are not restricted to LACs' recommendations.
8. The *Selection Board* is the final authority for the selection.

Living Jnanpith Laureates : Sitakant Mahapatra (Oriya), M.T. Vasudevan Nair (Malayalam), Girish Karnad (Kannada), Rahman Rahi (Kashmiri), Satyavrat Shastri (Sanskrit), Chandrasekhar Kambar (Kannada), Pratibha Ray (Oriya), Bhalchandra Nemade (Marathi), Raghuveer Chaudhari (Gujarati), Sankha Ghosh (Bengali), Amitav Ghosh (English).

BHARATIYA JNANPITH
55^{th} JNANPITH AWARD : 2019

Language ....

PROPOSAL FORM

1. Name of the Proposer :..

   Address ....

   ....

   Mobile No. ....e-mail :..

2. Name of the Proposed Author :..

   Address ....

   ....

   Mobile No. ....e-mail :..

3. Information about the Author and his/her works :

   a) Date of Birth :..

   b) Academic attainments :..

   ....

   ....

   ....

   ....

   ....

   c) Literary background :..

   ....

   ....

   d) Works published (List to be attached) :..

   ....

   ....

   ....

   ....

   ....

   ....

   ....

4. Other awards & honours won by the Author :...

....
....
....

5. The basis for your proposal, regarding the quality of the Author's writing and his/her standing in the literature of the language concerned and, also, in Indian literature :

....
....
....

6. Details of Hindi or English translations available of major works of the proposed Author : (Please mention the name and address of publisher & the year of publication)

....
....
....
....

7. Any other comments :

....
....
....

....

Date : .... Signature of the Proposer

Note :

Should the writing space provided here for a particular item be found insufficient, please use a separate sheet mentioning the relevant serial number of the item.

Please fill in the Proposal Form and return it by **30th June, 2019** to the following Address :

Director
Bharatiya Jnanpith
18, Institutional Area, Lodi Road, New Delhi - 110 003